आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
रविवार 08.03.2026
समय 07.20

मुख्य समाचार :—

- प्रदेश के विकास खंडों में स्थित सभी सरकारी अस्पतालों में जल्द ही अल्ट्रासाउंड व एक्स—रे मशीनें स्थापित की जाएंगी।
- केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा— देश में अतिक्रमण और घुसपैठ के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी।
- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मातृशक्ति को शुभकामनाएं दी।
- **और,** चारधाम यात्रा के लिये हेली सेवाओं का संचालन इस वर्ष भी आई.आर.सी.टी.सी के सहयोग से किया जाएगा।

....

स्वास्थ्य सेवाएं

प्रदेश के विकास खंडों में स्थित सभी सरकारी अस्पतालों में जल्द ही अल्ट्रासाउंड व एक्स—रे मशीनें स्थापित किए जाने के साथ ही रेडियोलॉजिस्ट और एक्स—रे तकनीशियनों की तैनाती की जाएगी। स्वास्थ्य मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं। देहरादून में आयोजित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की बैठक में डॉ० रावत ने बताया कि वर्तमान में राज्य के 95 विकासखंडों में 84 एक्स—रे मशीन और 47 अल्ट्रासाउंड मशीन उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि चमोली जिले के देवाल, घेस, नंदप्रयाग और थराली व देहरादून के चकराता और कालसी, हरिद्वार के बहादराबाद, भगवानपुर, खानपुर, लक्सर और नारसन में के स्वास्थ्य केंद्रों में अल्ट्रासाउंड व एक्स—रे मशीनें प्राथमिकता के साथ उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके अलावा पौड़ी के द्वारीखाल, एकेश्वर, कल्जीखाल, नैनीडांडा, पाबौं और रिखणीखाल के चिकित्सालयों को भी इस सुविधा से जोड़ा जाएगा।

....

कार्रवाई

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा है कि देश में अतिक्रमण और घुसपैठ के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी है। वे कल हरिद्वार में उत्तराखंड सरकार के चार वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

इस अवसर पर उन्होंने राज्य के लिए ग्यारह सौ करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड संघर्ष के दौर से आगे बढ़कर विकास की नई दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा ळें केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सीमांत गांवों के विकास और पलायन रोकने के लिए वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम चलाया जा रहा है, जिसका लाभ उत्तराखंड को मिलेगा।

....

नूतन न्याय संहिता

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने हरिद्वार के बैरागी कैंप में उत्तराखंड सरकार द्वारा आयोजित 'नूतन न्याय संहिता' विषय पर राज्य स्तरीय प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। यह प्रदर्शनी भारत सरकार द्वारा लागू भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन और जनजागरूकता के उद्देश्य से आयोजित की गई है।

प्रदर्शनी में आम नागरिकों, अधिवक्ताओं, पुलिस और अभियोजन अधिकारियों सहित सभी हितधारकों को आधुनिक आपराधिक न्याय प्रणाली की जानकारी दी जा रही है। प्रदर्शनी में नई न्याय संहिताओं की प्रमुख विशेषताओं को सरल और दृश्य माध्यमों से प्रस्तुत किया गया है। इनमें समयबद्ध जांच और चार्जशीट की अनिवार्यता, जीरो एफआईआर और ई–एफआईआर की व्यवस्था, सात वर्ष से अधिक दंडनीय अपराधों में अनिवार्य फॉरेंसिक जांच, इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल साक्ष्यों की वैधता तथा महिलाओं और बच्चों के विरुद्ध अपराधों से जुड़े सशक्त प्रावधान शामिल हैं। उत्तराखंड नए कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन में देश में पहले स्थान पर रहा है। यह प्रदर्शनी 9 मार्च तक जारी रहेगी।

....

विधानसभा सत्र

विधानसभा का बजट सत्र आगामी कल से गैरसैंण के भराडीसैंण स्थित विधानसभा भवन में आयोजित किया जाएगा, जो 13 मार्च तक चलेगा। विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण ने बताया कि साल का पहला सत्र होने के कारण, इस बार विधानसभा में राज्यपाल अभिभाषण के साथ ही बजट भी पेश किया जाएगा। उन्होंने बताया कि बजट सत्र की तैयारियां पूरी कर ली गई है। विधानसभा अध्यक्ष ने बताया कि सत्र को लेकर सुरक्षा बैठक कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से सहयोग की भी अपील की है।

....

अंतर्राश्ट्रीय महिला दिवस

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मातृशक्ति को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की महिलाएं परिश्रम, त्याग और समर्पण की प्रतीक रही हैं और राज्य के विकास तथा सामाजिक संरचना को मजबूत बनाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए लगातार कार्य कर रही है। राज्य निर्माण आंदोलन से लेकर प्रदेश के विकास तक महिलाओं के महत्वपूर्ण योगदान को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि और महिला सशक्तिकरण राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में 68 हजार स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से पांच लाख महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ लखपति दीदी योजना चलाई जा रही है, जिसके तहत अब तक दो लाख से अधिक महिलाओं को लखपति दीदी बनाया जा चुका है।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश की सभी महिलाओं के सुख, समृद्धि और उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए विश्वास जताया कि मातृशक्ति के सहयोग से उत्तराखंड विकास के नए आयाम स्थापित करेगा।

....

खेल

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आज चंपावत के लोहाघाट में 'अस्मिता' खेल कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, के तत्वावधान में आयोजित हो रहा है। आयोजन लोहाघाट के छमनिया स्टेडियम में पूर्वाह्न 11 बजे से शुरू होगा।

कार्यक्रम का उद्देश्य खेलों के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाना और उन्हें अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए मंच उपलब्ध कराना है। इसके तहत विभिन्न आयु वर्गों में एथलेटिक्स प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। प्रतियोगिताओं में अंडर–13 वर्ग, 13 से 18 वर्ष और 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग शामिल हैं। प्रतिभागी 100 मीटर, 200 मीटर और 400 मीटर दौड़ में हिस्सा लेंगी। प्रतियोगिता में जिले की लगभग 200 महिलाओं और बालिकाओं के भाग लेने की संभावना है।

....

चारधाम

अप्रैल माह से शुरू होने जा रही चारधाम यात्रा 2026 से पहले हेली शटल सेवाओं को लेकर उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण (यूकाडा) की टेंडर प्रक्रिया अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। हेली सेवाओं को लेकर जानकारी देते हुए यूकाडा के मुख्य कार्याधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने बताया कि हेलीकॉप्टर सेवाओं की ऑनलाइन बुकिंग व्यवस्था भारतीय रेलवे खानपान व पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) के सहयोग से संचालित की जाएगी, जिससे श्रद्धालुओं को पारदर्शी और सुगम बुकिंग सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि चारधाम यात्रा को देखते हुए हेली सेवाओं के टिकटों की बुकिंग केवल आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से ही की जाएगी। इसका उद्देश्य फर्जी एजेंटों और कालाबाजारी पर प्रभावी रोक लगाना तथा श्रद्धालुओं को पारदर्शी और सुव्यवस्थित तरीके से टिकट उपलब्ध कराना है।

....

हिमालय की गूंज

देहरादून में गढ़ी कैंट स्थित उत्तराखण्ड सब एरिया द्वारा आयोजित "हिमालय की गूँज" मिलिट्री बैंड सिम्फनी कार्यक्रम में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में बंगाल इंजीनियर ग्रुप बैंड, कुमाऊँ रेजीमेंट सेंटर बैंड और गढ़वाल रेजीमेंट सेंटर बैंड ने मनमोहक प्रस्तुतियां दीं, जिनका उपस्थित लोगों ने आनंद लिया। बैंडों ने देशभक्ति और लोकगीतों की धुनें प्रस्तुत कीं, जिससे पूरा वातावरण उत्साह और देशभक्ति से भर गया।

इस अवसर पर राज्यपाल ने अपने संबोधन में कहा कि सैन्य बैंड भारतीय सेना की गौरवशाली परंपरा, अनुशासन और रेजिमेंटल विरासत के प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि सैन्य बैंड केवल संगीत तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे सैनिकों का मनोबल बढ़ाने और राष्ट्रभक्ति की भावना को मजबूत करने का महत्वपूर्ण माध्यम भी हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि यह बैंड सिम्फनी सभी के भीतर राष्ट्रप्रेम की भावना को और सुदृढ़ करेगी।

....